Department of Sanskrit, BGR Campus, Pauri Garhwal

PhD awarded during 15.1.2009 to 31.12.2020

1	**Name of Scholar**	**डॉ ललिता**
	Name of Supervisor	**डॉ जय कृष्ण गोदियाल**
	Date of Registration	**9th July, 2007**
	Date of Ph.D. award	**30th July, 2011**
	Topic of research	**डॉ अशोक कुमार डबराल के काव्यों का समीक्षात्मक अध्ययन**
	Abstract in few words	डॉ अशोक कुमार डबराल का देवात्मा हिमालय नामक महाकाव्य अनेक विशेषताओं से युक्त है। इस महाकाव्य में कवी ने काव्य परंपरा से हटकर अभिनव प्रयोग किया है । एक और यह महाकाव्य पौराणिकता से युक्त है वहीँ दूसरी और युगीन सन्दर्भों को स्पर्श करता है। इसमें देश प्रेमए दर्शनए प्रकृति प्रेम अदि सभी विषयों की अभिव्यक्ति है। मैंने अपने शोध कार्य में कवी के साहित्य के प्रत्येक पक्ष का विवेचन करने का प्रयास किया है। काव्य एवं नाटक तथा कथा साहित्य के अनुरूप सभी काव्य तत्वों का इनके साहित्य के परिप्रेक्ष्य में वर्णन करते हुए अध्ययन मौलिकता प्रदान करने का प्रयास किया है।
2	**Name of Scholar**	**डॉ अनामिका**
	Name of Supervisor	**डॉ जय कृष्ण गोदियाल**
	Date of Registration	**27th March, 2006**
	Date of Ph.D. Award	**15th March, 2011**
	Topic of research	**कविरत्न श्रीकृष्ण सेमवाल विरचित भीमशतकम . एक समीक्षात्मक अध्ययन**
	Abstract in few words	भीमशतकम कवि रत्न श्रीकृष्ण सेमवाल द्वारा रचित एक खंड काव्य है जिसमे कवी ने समाज सुधारक की दृष्टि से जाती प्रथा की आलोचना की है। यह काव्य भारत के संविधान निर्माता डॉ भीमराव आंबेडकर के जीवन दर्शन पर आधारित है जिन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन दलितों के उत्थान पर लगा दिया ततः उन्हें समाज में एक आदर्श स्थान देने का प्रयास किया। प्रस्तुत अध्ययन ६ अध्यायों में विभाजत है जिसमे कवी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व ए जीवन परिचयए समाज दर्शनए रस निरूपण तथा इसका अन्य काव्यों से तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत है। यह काव्य वसुधैव कुटुंबकम की भावना का समर्थ करते हुए इस बात पर बल देता है की समाज में सभी मनुष्य एक समान हैं। ऊंच नीच की भावना समाज को कमजोर करती है।
3	**Name of Scholar**	**डॉ विनोद कुमार उनियाल**
	Name of Supervisor	**डॉ जय कृष्ण गोदियाल**
	Date of Registration	**14th March, 2013**
	Date of Ph.D.	**18th November, 2016**
	Topic of research	**संस्कृत वाङ्मय में यमुना - एक अध्ययन**
	Abstract in few words	यमुना भारत वर्ष की लोकप्रिय नदी है जिसे मां गंगा की छोटी बहिन के रूप में मान्यता दी गयी है। वेदों में इसे देवी के रूप में माना गया है। प्रस्तुत शोध ग्रन्थ में संस्कृत वांग्मय में यमुना के विभिन्न संदर्भों का अध्ययन करते हुए समग्र व्याख्या प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। चारों वेदों ए अट्ठारह पुराणों तथा संस्कृत के विभिन्न काव्यों जिनमे प्रमुखतया महाकाव्य कलिदास के काव्यों में यमुना के विस्तीर्ण वर्णन को सुसंदर्भ विश्लेषित किया गया है।
4	**Name of Scholar**	**डॉ महेश दुर्गापाल**
	Name of Supervisor	**डॉ जय कृष्ण गोदियाल**
	Date of Registration	2012
	Date of Ph.D. Award	2016
	Topic of research	**शिव पुराण का समीक्षात्मक अध्ययन ;उत्तराखंड के विशेष**

		सन्दर्भ में
	Abstract in few words	शिवपुराण का स्थान सभी अट्ठारह पुराणों में एक विशिष्ट स्थान रखता है। इसमें भगवान शिव की महिमा का विभिन्न संदर्भों में उल्लेख मिलता है। उत्तराखंड में भगवान शिव ही मुख्य रूप से मा ने तथा पूजे जाते हैं। केदारनाथ साक्षात् भगवान शिव की स्थली है वही मान्यता है की बद्रीनाथ में भी सर्वप्रथम शिव हे पूजे जाते थे। शिव के हज़ारो मंदिर उत्तराखंड में अवस्थित हैं। प्रस्तुत शोध ग्रन्थ में ष्शिवपुराण ष् का विस्तृत अध्ययन करते हुए संदर्भों को उत्तराखंड के परिप्रेक्ष्य में विश्लेषित करने का प्रयास किया गया है।
5	**Name of Scholar**	**डॉ द्वारिका प्रसाद नौटियाल**
	Name of Supervisor	**डॉ जय कृष्ण गोदियाल**
	Date of Registration	13th march, 2013
	Date of Ph.D. Award	**September, 2016**
	Topic of research	**पौराणिक साहित्य में वर्णित गंगा वर्तमान प्ररिप्रेक्ष्य में एक अध्ययन**
	Abstract in few words	मां गंगा के महत्व के विषय में प्राचीन कल से ही विभिन्न प्रकार की मान्यताये पुराणों में उल्लिखित हैं। गंगा का उद्गम किस महान उद्देश्य के लिए हुआ , किस तरह से गंगा का अवतरण धरती पर हुआ तथा गंगा की पवित्रता पर आधारित विभिन्न आख्यान, व्याख्यान पुराणों में प्राप्त होते हैं। प्रस्तुस शोध ग्रन्थ में समस्त पुराणों पर आधारित माँ गंगा के सभी संदर्भों का विश्लेषण करने का प्रयास किया गया है तथा वर्तमान में किस तरह से मानवीय उपक्रमों द्वारा गंगा को प्रदूषित किया जा रहा है, का भी वर्णन प्रस्तुत किया गया है।
6	**Name of Scholar**	**डॉ स्मृति**
	Name of Supervisor	**डॉ कुसुम डोबरियाल**
	Date of Registration	**11.3.2013**
	Date of Ph.D. Award	**27.11.2018**
	Topic of research	**महाभारत में भीष्म पितामह एक अध्ययन**
	Abstract in few words	प्रस्तुत शोध ग्रन्थ में महाभारत में पितामह भीष्म के चरित्र का अध्ययन किया गया है। भीष्म पितामह का चरित्र भूतो न भविष्यति कहा जा सकता है। अपने पिता की इच्छा पूर्ति के लिये अपना सर्वस्व त्याग करने वाले पुत्र के रूप में उनका चरित्र सर्व समाज के लिए एक उदाहरण प्रस्तुत करता है। अपने पिता को दिए गए वचन को निभाने के लिए उन्हें किन किन परिस्थितियों से गुजरना पड़ा तथा अपने राष्ट्र के प्रति उनकी वचनवद्धता अनुकरणीय है।
7	**Name of Scholar**	**डॉ मिथलेश कुमार**
	Name of Supervisor	**डॉ कुसुम डोबरियाल**
	Date of Registration	**20.03.2014**
	Date of Ph.D. Award	**May, 2019**
	Topic of research	**ब्रह्माण्ड पुराण एक समीक्षात्मक अध्ययन**
	Abstract in few words	इस अध्ययन के अंतर्गत मुझे १८ पुराण एवं १८ उप पुराणों का अध्ययन करने का अवसर प्राप्त हुवा। ब्रह्माण्ड पुराण में अनेक भौगोलिक , वैज्ञानिक, राजनीतिक तथा धार्मिक तथ्यों का समावेश देखने को मिलता है। इस कारण पुराणों का अध्ययन सभी भारतियों के लिए परम आवश्यक जान पड़ता है। ये हमारी संस्कृति के प्राण स्वरुप हैं